

प्रेषक,

एस0 रामास्वामी,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तराखण्ड परिवहन निगम,
देहरादून।

परिवहन अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 11 जुलाई, 2014

विषय- उत्तराखण्ड परिवहन निगम में तैनात राजकीय रोड़वेज के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या 369 एच0क्यू0/लेखा/पेंशन/2013 दिनांक 05 जुलाई, 2013 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- इस सम्बन्ध में शासनादेश संख्या 97/2013/28/IX/2007 दिनांक 14 जून, 2013 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड परिवहन निगम में सेवा निवृत्त हो चुके कर्मिकों की पेंशन प्रक्रिया का निर्धारण निम्न प्रकार से किया जाता है:-

(i) उ0प्र0 राजकीय रोड़वेज के उन सरकारी कर्मचारियों/अधिकारियों जो उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में संविलियन होने के पश्चात उत्तराखण्ड परिवहन निगम में विकल्प के आधार पर तैनात हुये हैं, के पेंशन अंशदान को राजकोष में "लेखाशीर्षक 0071-पेंशन तथा अन्य सेवानिवृत्त लाभों के सम्बन्ध में -01-सिविल-101-अभिदान और अंशदान-05-सार्वजनिक उपक्रमों के बाहर सेवा/प्रतिनियुक्ति पर" जमा की जायेगी।

(ii) निदेशक (लेखा एवं हकदारी) एवं कोषागार स्तर पर पेंशन भुगतान एवं प्राप्ति का ब्योरा अलग-अलग रखा जायेगा।

(iii) परिवहन निगम के अधिकृत अधिकारी पेंशन प्रपत्रों की भली-भांति जांच कर पेंशन भुगतान आदेश प्रपत्र तैयार कर निदेशक (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड शासन को पेंशन प्रपत्रों के साथ उपलब्ध करायेंगे। जिस पर निदेशक (लेखा एवं हकदारी) सम्बन्धित कोषागार को अधिकृत करेंगे कि कोषागार सेवानिवृत्त कर्मिक/पेंशन भोगी को पेंशन का भुगतान कर दें। पेंशन भुगतान आदेश के ऊपर स्पष्ट रूप से यह अंकित किया जायेगा कि पेंशन भोगी उ0प्र0 राजकीय रोड़वेज के विकल्प के आधार पर संविलियन से पूर्व नियुक्त कर्मिक रहे हैं। निदेशक (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड पेंशन स्वीकृति आदेश की प्रति सम्बन्धित कोषागार को भेजने के साथ-साथ उसकी प्रति परिवहन निगम के अधिकृत अधिकारी, पेंशन भोगी को भी सूचना भेजेंगे।

(iv) पेंशन का प्रारूप शासन द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार होगा। प्रपत्रों को पूर्ण रूप से भरने एवं जांच के उपरान्त परिवहन निगम के अधिकृत अधिकारी उन पर अपने हस्ताक्षर करके निदेशक (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड शासन को प्रेषित करेंगे। जहाँ से जिस कोषागार से पेंशनर पेंशन प्राप्त करना चाहता है, पेंशन प्राधिकार पत्र उस कोषागार को प्रेषित कर दिया जायेगा।

(v) प्रत्येक पेंशन भोगी जो पेंशन प्राप्त करेगा अपने नाम पर व्यक्तिगत खाता (संयुक्त खाता नहीं) बैंक की शाखा में खुलवायेगा और उसकी सूचना सम्बन्धित कोषागार को देगा ताकि कोषागार द्वारा निर्धारित तिथि को पेंशन की धनराशि सम्बन्धित पेंशन भोगी के खाते में जमा की जा सके।

(vi) सम्बन्धित कोषागार प्रत्येक पेंशन भोगी को एक पहचान पत्र निर्गत करेगा जिससे स्पष्ट हो कि वह कोषागार से भुगतान प्राप्त करने वाला पेंशन भोगी है।

(vii) पेंशन भोगी प्रत्येक वर्ष माह नवम्बर में निर्धारित प्रारूप पर अपने जीवित होने का प्रमाण-पत्र सम्बन्धित कोषागार को देगा।

(viii) परिवहन निगम के पेंशन भोगियों को चिकित्सा भत्त उतना ही देय होगा जितना समय-समय पर उस स्तर के सेवारत कार्मिक को कारपोरेशन के आदेशानुसार देय होगा तदनुसार परिवहन निगम द्वारा त्रैमासिक आधार पर कोषागार को भुगतान किया जायेगा।

(ix) पेंशन में होने वाले संशोधनों/पुनरीक्षण के लिए परिवहन निगम के अधिकृत अधिकारी उत्तरदाई होंगे तथा संशोधनों/पुनरीक्षण से निदेशक (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड शासन को अवगत करायेंगे जिस पर निदेशक (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड शासन सम्बन्धित कोषागार को संशोधित पेंशन भुगतान के लिए अधिकृत करेंगे।

(x) पेंशन पर कोषागार एवं परिवहन निगम के मध्य किसी विवाद पर परिवहन निगम का निर्णय मान्य होगा।

(XI) परिवहन निगम द्वारा प्रत्येक त्रैमास की पेंशन के लिए अग्रिम रूप से धनराशि प्राप्ति लेखाशीर्षक में चालान द्वारा जमा किया जायेगा, जिसकी चालान की प्रति निदेशक (लेखा एवं हकदारी) को उपलब्ध करायी जायेगी।

(XII) निदेशक (लेखा एवं हकदारी) की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि प्रत्येक त्रैमास में भुगतान की गयी धनराशि का मिलान कोषागार से प्राप्त आंकड़ों से कर लिया गया है।

(XIII) यदि परिवहन निगम द्वारा अग्रिम धनराशि जमा नहीं की जाती है तो निदेशक (लेखा एवं हकदारी) को सम्बन्धित कोषागार से पेंशन के भुगतान पर रोक लगाने का अधिकार होगा, और इस प्रकार की असामान्य स्थिति उत्पन्न होने के लिए परिवहन निगम जिम्मेदार होगा।

(XIV) पेंशन का भुगतान अनुदान संख्या-7-लेखाशीर्षक 2071-पेंशन तथा अन्य सेवा निवृत्ति हित लाभ-01 सिविल-101-अधिवर्षता एवं सेवानिवृत्ति भत्ते-07-परिवहन निगम में रोड़वेज के सेवानिवृत्त कार्मिक-00-33-पेंशन/आनुतोषिक के अन्तर्गत किया जायेगा।

उक्त आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-185/XXVII(2)/2014 दिनांक 20 जून, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0 रामास्वामी)
प्रमुख सचिव।

संख्या A.D (1)/2014/28/IX/2007 तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- महालेखाकार, आडिट, वैभव पेलेस-ब-1/105, इन्द्रानगर, देहरादून।
- 3- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 4- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 5- निदेशक, पेंशन निदेशालय, देहरादून।
- 6- निजी सचिव, परिवहन मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- वित्त नियंत्रक, उत्तराखण्ड परिवहन निगम मुख्यालय, देहरादून।
- 8- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(जीवन सिंह तिलाड़ा)
उप सचिव।